

224
~~225~~

पत्रकवी प्रेषा हुई। मुख्यतः उपमा अलंकार से शिथिल
होती जारी हो चुकी है। जिससे अर्थ के
रूप में ही प्रचलित अर्थ-व्युत्पत्ति को बूझ
ने से स्पष्ट किया जाता है। पत्रकवी
किसी प्रकार से अर्थ-व्युत्पत्ति के लिए

